DAINIK BHASKAR, Surat, 11.2.2022
Page No. 2, Size:(20.31)cms X (17.37)cms.

रेल राज्यमंत्री दर्शना ने सोशल मीडिया पर जारी किया स्टेशन का लुक

बुलेट ट्रेन परियोजना का सबसे पहला तीन मंजिला स्टेशन सूरत में होगा तैयार

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला रेलवे स्टेशन सूरत में बनेगा। गुरुवार को रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोष ने ट्विटर पर बुलेट ट्रेन के सूरत स्टेशन का लुक जारी करते हुए कहा कि सूरत के अलावा वापी, बिलिमोरा और भरूच के भी स्टेशनों के काम को मंजूरी दे दी गई है। इन स्टेशनों को दिसंबर 2024 तक तैयार किया जाना है। इन चार स्टेशनों में सबसे पहले सूरत स्टेशन बनेगा। यहां फाउंडेशन तैयार किया जा रहा है। स्टेशन एरिया के लिए मार्किंग की जा चुकी है। सूरत स्टेशन ग्राउंड फ्लोर सहित तीन मंजिला होगा। ग्राउंड फ्लोर पर इंट्रेंस होगा और इंटीरियर, एक्सटीरियर डायमंड के आकार में बनाया जाएगा। दीवारों पर हीरों की कलाकृतियां और सूरत के व्यापारिक इतिहास को दर्शाया जाएगा। पहली मंजिल पर शॉपिंग सेंटर, रेस्टोरेंट, कॉन्कोर्स होंगे और टिकट काउंटर होगा। सेकंड फ्लोर पर प्लेटफॉर्म 1 और 2 होंगे, जिन पर बुलेट ट्रेन गुजरेगी।

बुलेट ट्रेन के सूरत स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है। यह तीन मंजिला हाईटेक स्टेशन होगा।

DIVYA BHASKAR, Vadodara, 11.2.2022
Page No. 2, Size:(25.33)cms X (12.77)cms.

દિવ્ય ભાસ્કર
divyabhaskar.com
વડોદરા, શુક્રવાર, 11 ફેબ્રુઆરી, 2022 | 2

બુલેટ ગતિથી બાંધકામ

બુલેટ ટ્રેનના પહેલા સ્ટેશનનો પાયો તૈયાર

દેશની પહેલી બુલેટ ટ્રેન બીલીમોરા-સુરત વચ્ચે 2026 સુધીમાં દોડતી થશે

ભાસ્કર ન્યૂઝ | સુરત

અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ- બુલેટ ટ્રેનના રૂટ પર પહેલું તૈયાર થનારું સ્ટેશન સુરત હશે. ગુજરાતમાં તમામ કામોના કોન્ટ્રાક્ટ થઈ ચૂક્યા છે. સુરત ઉપરાંત ભરૂચ, વડોદરા અને બીલીમોરામાં પણ નિર્માણ કાર્ય તેજ ગતિથી ચાલી રહ્યું છે, જે તમામ ડિસેમ્બર 2024 સુધીમાં તૈયાર થઈ જશે, જેમાં સૌ પ્રથમ સુરત (અંત્રોલી) હશે. દેશની પહેલી બુલેટ ટ્રેન બીલીમોરા-સુરત વચ્ચે 2026 સુધીમાં દોડતી થઈ જશે. સુરતમાં 13 કિમી વિસ્તારમાં પિલર બની ગયા છે. મહિને 5 કિમી રૂટ પર પિલરો બને છે, જે હવે 10 કિમીની ગતિથી બનાવાશે. જમીનની મજબૂતાઈ સહિતની ચકાસણી માટે સુરતમાં એશિયાની સૌથી મોટી એવી જીવો ટેકનિકલ લેબોરેટરી તૈયાર કરાઈ છે જ્યાં હજારો એન્જિનિયરો સતત કામ કરી રહ્યા છે.

ફોટો : સ્તિતેશ પટેલ

અંત્રોલી સ્ટેશનના આ હશે આકર્ષણ

1. અંત્રોલીમાં બુલેટ ટ્રેનનું રેલવે સ્ટેશન ગ્રીન સ્ટેશન તરીકે વિકસાવવામાં આવશે.
2. સ્ટેશનના બિલ્ડિંગમાં ડાયમંડની ડિઝાઈન રાખવામાં આવશે.
3. પહેલા અને બીજા એમ બંને માળ પર પ્લેટરફોર્મ બનાવાશે.
4. સ્ટેશનના અન્ય માળો પર રેસ્ટોરન્ટ અને દુકાનો હશે.
5. રેઈન વોટર હાર્વેસ્ટિંગ કરાશે.
6. બિલ્ડિંગ સોલાર પેનલથી સજ્જ હશે, જેમાં 80 ટકા વીજળી સોલારથી મેળવવામાં આવશે.
7. શહેરના ઈતિહાસ અને ઉદ્યોગ અંગેની જાણકારી પણ મુકાશે.
8. સ્ટેશન પરિસરમાં સુએઝ ટ્રીટમેન્ટ પ્લાન્ટ નાખવામાં આવશે.
9. ઈન્ટર મોડલ કમ્પ્યુટર ટ્રાન્સપોર્ટ સુવિધા એટલે કે યાત્રી સ્ટેશનથી જ અન્ય ટ્રાન્સપોર્ટ મેળવી શકશે.
10. આખા પ્રોજેક્ટનું સૌથી પહેલું તૈયાર થનારું આ સ્ટેશન હશે.
11. બુલેટ ટ્રેનનો પહેલો રન પણ અહીંથી બીલીમોરા સુધીનો હશે.
12. 2024 સુધીમાં તૈયાર થઈ જશે.

SANDESH, Surat, 11.2.2022
Page No. 4, Size:(7.77)cms X (6.93)cms.

અંત્રોલીમાં બુલેટ ટ્રેનનું સ્ટેશન ડાયમંડ આકારનું હશે

બુલેટ ટ્રેનનું સૌપ્રથમ રેલવે સ્ટેશન સુરતમાં તૈયાર થશે. સુરતમાં ડાયમંડ આકારનું સ્ટેશન બનાવાશે. ત્રણ માળના સ્ટેશનમાં ગ્રાઉન્ડ ફ્લોર પર એન્ટ્રી, સ્ટેશનની દીવાલ પર હીરાની ડિઝાઇન બનાવાશે. પહેલા માળે શોપિંગ મોલ, રેસ્ટોરન્ટ અને ટિકિટ કાઉન્ટર હશે. રેલ રાજ્યમંત્રી દર્શના જરદોશે સુરતમાં બનનારા સ્ટેશનની ડિઝાઇન સોશિયલ મીડિયા પર શેર કરી હતી. આ સાથે જ તેમણે બીલીમોરા, વાપી અને ભરૂચમાં બુલેટ ટ્રેનના સ્ટેશન માટે મંજૂરી આપી દીધી હોવાની જાહેરાત કરી છે. તમામ સ્ટેશન ૨૦૨૪ સુધી તૈયાર થઇ જશે.

HINDUSTAN TIMES, Delhi, 3.2.2022
Page No. 13, Size:(10.99)cms X (8.33)cms.

Surat 1st station to be constructed on bullet train route, say officials

Neha LM Tripathi
neha.tripathi@htlive.com

NEW DELHI: Surat will be the first station to be constructed between Mumbai-Ahmedabad route, set for the country's first bullet train, informed an official privy to the developments on Wednesday.

"The work on the four stations (Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch) has expedited and they will be ready by December 2024. Of these four, Surat will be the first one to be ready," said an official from National High Speed Rail Corporation Ltd. (NHSRCL). The NHSRCL is the implementing agency for the project.

AN OFFICIAL FROM THE RAILWAY MINISTRY SAID A 237-KM LONG VIADUCT WILL ALSO BE CONSTRUCTED

An official from the railway ministry said that apart from the four stations, a 237-km long viaduct will also be constructed. A viaduct is a specific type of bridge that consists of a series of arches, piers or columns supporting a long-elevated railway line or road.

Last year in December, railway minister Ashwini Vaishnaw had said that India's first bullet train will operate between Surat and Bilimora in 2026. The distance between the Surat-Bilimora route is 50km.

The project has been mired in land acquisition battles. However, the ministry said that it is working on the matter. While replying to members Dr Shrikant Eknath Shinde and Dr Sujay Radhakrishna Vikhe Patil in parliament, minister Vaishnaw on Wednesday informed: As on date, 98.62%land (941.13 Ha out of 954.28 Ha) has been acquired in Gujarat for the project. In Dadra and Nagar Haveli Union Territory, complete acquisition (7.90 Ha) and in Maharashtra, 56.39% land (244.63 Ha out of 433.82 Ha) has been acquired. This includes 925 Ha of private land

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 8.2.2022
Page No. 3, Size:(12.20)cms X (23.49)cms.

हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना

पहला बुलेट ट्रेन स्टेशन सूरत में 2024 तक होगा तैयार

दक्षिण गुजरात के चार स्टेशन सूरत, बिलीमोरा, वापी और भरुच स्टेशनों के कार्य में आई तेजी

प्रति माह 5 किमी कार्य को 10 किमी तक ले जाने का लक्ष्य

13 किमी पर पिलर का कार्य पूरा

संजीव सिंह
patrika.com

सूरत. गुजरात सहित देशभर के लिए गर्व करने वाली खबर है। भारत की महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड रेल परियोजना में अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन मार्ग के बीच पहला स्टेशन सूरत में बनाया जाएगा और यह 2024 तक तैयार होगा। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 13 किमी पिलर का कार्य पूरा होने तथा प्रति माह 5 किमी एरिया कवर कर रहे हैं। आगामी दिनों में इसे दोगुना यानी 10 किमी प्रतिमाह करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुंबई अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर 508 किमी लंबा है। इसमें 352 किमी क्षेत्र गुजरात के आठ जिलों से होकर गुजरता है। कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन हैं। जिसमें सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, साबरमती, बिलिमोरा, भरूच, मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर और वापी स्टेशन शामिल हैं। पिछले कुछ दिनों में चार स्टेशनों यानी सूरत, भरुच, वापी और बिलिमोरा के काम में तेजी लाई गई है और वे 2024 तक तैयार हो जाएंगे। सूरत तैयार होने वाला पहला स्टेशन होगा। यह दक्षिण गुजरात में पडने वाले चार स्टेशनों के अलावा 237 किलोमीटर लंबा वायाडक्ट भी बनाया जाएगा। एक पुल एक विशिष्ट प्रकार का पुल है जिसमें एक लंबे ऊंचे रेलवे या सडक़ का समर्थन करने वाले मेहराब, स्तंभों की एक श्रृंखला होती है।

आमतौर पर एक वायडक्ट लगभग समान ऊंचाई के दो बिंदुओं को जोड़ता है, जिससे एक विस्तृत घाटी, सडक़, नदी या अन्य निचले इलाके की विशेषताओं और बाधाओं में सीधे ओवरपास की अनुमति मिलती है। सूरत की सांसद और रेलवे राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने ट्वीट किया कि - "सूरत, जैसा कि हमेशा से होता आया है, नई धरातल रचेगा और भारत की प्रगति को नए स्तर पर ले जाएगा। सूरत भारत की पहली फ्यूचरिस्टिक हाई-स्पीड रेल के लिए अहमदाबाद-मुंबई के बीच तैयार होने वाला पहला स्टेशन बन जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन 2026 में सूरत और बिलिमोरा के बीच संचालित होगी। सूरत-बिलिमोरा मार्ग के बीच की दूरी 50 किमी है। बुलेट ट्रेन कॉरिडोर परियोजना का उद्घाटन 2017 में हुआ था। शुरुआत में, परियोजना पर काम 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य था।

6 कास्टिंग यार्ड बनकर तैयार
भारत में बने लॉन्चर से हो रहा कार्य

परियोजना में 6 कास्टिंग यार्ड बनकर तैयार है। वहीं आत्मनिर्भर भारत के तहत अपने देश में ही बने आधुनिक लॉन्चर से पिलरों पर गर्डर डालने का कार्य किया जा रहा है। वलसाड जिले में घाट निर्माण और वापी में चैनेज 167 पर स्टेशन का काम प्रगति पर है। नवसारी जिले में चैनेज 238 पर घाट निर्माण कार्य जोरों पर है। एनएचएसआरसीएल ने बताया कि सूरत स्टेशन के लिए चैनेज 264 पर निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वहीं, भरूच जिले में चैनेज 358 से 360 के बीच पाइल, पाइल कैप और पिलर का निर्माण कार्य हो रहा है। वडोदरा जिले में चैनेज 410 से 417 के बीच पाइल, पाइल कैप एवं पिलर का निर्माण कार्य जारी है। अहमदाबाद जिले में साबरमती टर्मिनल हब पर कार्य हो रहा है।

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmadabad, 8.2.2022
Page No. 3, Size:(2.95)cms X (6.67)cms.

बुलेट ट्रेन परियोजना

पहला स्टेशन सूरत में 2024 तक होगा जाएगा तैयार

सूरत @ पत्रिका. गुजरात सहित देशभर के लिए गर्व करने वाली खबर है। भारत की महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड रेल परियोजना में अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन मार्ग के बीच पहला स्टेशन सूरत में बनाया जाएगा और यह 2024 तक तैयार होगा।

केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 13 किमी पिलर का कार्य पूरा होने तथा प्रति माह 5 किमी एरिया कवर कर रहे हैं। आगामी दिनों में इसे दोगुना यानी 10 किमी प्रतिमाह करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।